नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

गणेशपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में विद्यार्थियों ने तालाब में किया श्रमदान

वर्धा, 24 फरवरी 2017: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से 18 से 24 फरवरी के दौरान गणेशपुर गांव में आयोजित विशेष शिविर में तालाब में श्रमदान कर बारिश के बहने वाले पानी को रोकने के लिए बांध बनाकर जल संचय का संदेश दिया। इस उपक्रम में रासेयो के स्वयंसेवक विद्यार्थी संजय दान, आशना सिद्दीकी, संजू, महिपाल त्रिपाठी, साधना, राजनंदिनी निशाद, अविनाश त्रिपाठी, विकास कुमार, संजीव दुर्गम, रानु सोलंकी, मोनिका मर्सकोले, भूमिका राजन, दिवेश कुमार चंद्रा, शैलेश भारती, सौरभ कुमार, प्रितम कुमार, आकाश अंगारे, धीरज कुमार, आसित

माटे, पी. अंजली, धरित्री स्वाई, सुरभि, देवयानी झाड़े, कालिदास कासिद, सटवाजी वानोले, आबिद रिज़ा, ममता रुपसिंह, अभिषेक द्विवेदी, सुभाष चंद्र ने अपना योगदान दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने शिविर के उदघाटन के अवसर पर इस तालाब का अवलोकन किया और उन्होंने रासेयो संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे तथा डॉ. शिवा शुक्ला को श्रमदान के माध्यम से कार्य करने का निर्देश दिया।

विदित हो कि वर्धा से कुछ ही दूरी पर स्थित गणेशपुर में पानी की भारी समस्या है। गांव के पास एक तालाब बना हुआ है परंतु इस तालाब का कुछ हिस्सा पिछले दिनों बरसात के पानी से बह गया था। इसकी वजह से तालाब में पानी ठरह नहीं पाता था। विद्यार्थियों ने इस स्थिति को देखकर वहां श्रमदान के माध्यम कार्य करने की ठान ली। उन्होंने आसपास के पत्थरों को जमा कर गांव के पास के नाले से रेत को बोरियों में भरकर वहां तीन से चार मिटर की दिवार सात दिनों के शिविर के दौरान बनाकर तालाब का मुंह बंद करने का प्रयास किया और उसमें उन्हें कुछ प्रतिशत सफलता हासिल हुई है। इसके लिए उन्हें गांववासियों की ओर से काफी प्रशंसा मिली। आने वाले बरसात के मौसम में यदि यहां पानी इकठ्ठा हो जाए तो गांव में भूजल का स्तर सुधरेगा और जानवरों के लिए कई दिनों तक पानी उपलब्ध हो सकेगा। वैसे तालाब में पानी को रोकने का कार्य काफी बड़ा है परंतु विद्यार्थियों के इस प्रयास से कुछ राहत मिल सकती है। इस उपक्रम के लिए गांव की संरपंच श्रीमती निर्मलाताई ढोमने, ग्राम पंचायत के सदस्य अरूण दाते, दत्ता जामनकर, सामाजिक कार्यकर्ता, विलास शेलके, खुशालराव येडे, मनीष कुमार चापड़े, आदि ने राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों की सराहना की है। उन्होंने प्रशासन से इस कार्य को पूरा करने की अपील भी है।